राजनीतिक दल Important Questions || Class 10 Social Science(Civics) Chapter 4

1 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1 निम्नलिखित में से कौन सा एक राष्ट्रीय दल नहीं है?

1) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

2) भारतीय जनता पार्टी

3) बहुजन समाज पार्टी

4) राष्ट्रीय जनता दल

उत्तर: राष्ट्रीय जनता दल

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से कोन सा एक प्रांतीय दल नहीं है ?

1) भारतीय जनता पार्टी

2) राष्ट्रीय जनता दल

3) समाजवादी पार्टी

4) आम आदमी पार्टी

उत्तर: भारतीय जनता पार्टी

प्रश्न 3 स्व. कांशीराम जी ने किस राजनीतिक दल का गठन 1984 में किया था ?

1) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

2) बहुजन समाज पार्टी

3) भारतीय जनता पार्टी

4) राष्ट्रीय जनता दल

उत्तर: बहुजन समाज पार्टी

प्रश्न 4 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का चुनाव चिन्ह क्या है ?

1) कमल का फूल

2) हाथी

3) हाथ का पंजा

4) लालटेन

उत्तर: हाथ का पंजा

प्रश्न 5 भारतीय जनता दल का चुनाव चिन्ह क्या है ?

1) कमल का फूल

2) साइकिल

3) हाथ का पंजा

4) लालटेन

उत्तर: कमल का फूल

प्रश्न 6 राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का चुनाव चिन्ह क्या है ?

1) टेबल घड़ी

2) कमल का फूल

3) साइकिल

4) तीर कमान

उत्तर: टेबल घड़ी

प्रश्न 7 भारत में किस स्तर पर चुनाव बिना राजनीतिक दलों के लड़े जाते हैं ?

1) लोकसभा स्तर पर

2) राज्यसभा स्तर पर

3) विधानसभा स्तर पर

4) पंचायत स्तर पर

उत्तर: पंचायत स्तर पर

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 8 शासक दल से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर: जिस दल की सरकार होती है, उसे शासक दल कहते हैं।

प्रश्न 9 कौन सी दलीय व्यवस्था को लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं माना जाता है ?

उत्तर: एक दलीय व्यवस्था

प्रश्न 10 दल-बदल से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर: विधायिका के लिए किसी दल-विशेष से निर्वाचित होने वाले प्रतिनिधि का उस दल को छोड़कर किसी अन्य दल में चले जाना।

3 अथवा 5 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1 राजनीतिक दलों के कार्य लिखिए।

उत्तर: राजनैतिक दल किसी सामाजिक व्यवस्था में शक्ति के वितरण और सत्ता के आकांक्षी व्यक्तियों एवं समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे परस्पर विरोधी हितों के सारणीकरण, अनुशासन और सामंजस्य का प्रमुख साधन रहे हैं।

प्रश्न 2 किसी दल को राष्ट्रीय या प्रांतीय मानने का आधार क्या है ?

उत्तर:

- चुनाव आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार भारत में राष्ट्रीय दल उस दल को कहा जाएगा जो कम से कम 4 राज्य में अपना अस्तित्व रखता हो। 4 या उससे अधिक राज्यों में उसे कुल वैध मतों का कम से कम 6% मत प्राप्त हुआ हो और कुल 4 राज्यों में मिलाकर कम से कम लोकसभा 4 सीटें हासिल करता हो या तीन राज्यों में अलग-अलग कुल मिलाकर चार लोकसभा सीटें रखता हो।
- फिलहाल भारत में राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त 8 दल है और 53 दल ऐसे हैं जो क्षेत्रीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त हैं। इसके अतिरिक्त भारत में 2,000 से अधिक गैर मान्यता प्राप्त दल भी हैं।
- भारत में राष्ट्रीय दल इस प्रकार हैं... भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस पार्टी, नेशनलिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी।
- भारत में अनेक क्षेत्रीय दल है जिनमें आम आदमी पार्टी, शिवसेना, मुस्लिम लीग, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक, असम गण परिषद, बीजू जनता दल, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल सेकुलर, जनता दल यूनाइटेड, झारखंड मुक्ति मोर्चा, लोक जनशक्ति पार्टी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, राष्ट्रीय लोक दल, तेलुगू देशम पार्टी, तेलंगाना राष्ट्र समिति, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी, जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी जैसी पार्टियां हैं।
- भारत में राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तरीय, स्थानीय स्तर पर चुनाव लड़ने के लिए किसी भी राजनीतिक दल को भारतीय निर्वाचन आयोग में अपना पंजीकरण करवाना आवश्यक होता है। निर्वाचन आयोग की तरफ से उसे चुनाव चिन्ह प्रदान किया जाता है।

प्रश्न 3 विभिन्न प्रकार की दलीय व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

उत्तरः

- दल बनाना तथा दल-परिवर्तन
- भारत में दल बनाना, दल परिवर्तन, टूट, विलय, विखराव, ध्रवीकरण आदि राजनैतिक दलों की कार्यशैली का महत्वपूर्ण रूप है ।
- क्षेत्रीय दलों का उद्भव
- भारत की दलीय व्यवस्था का एक दूसरा प्रमुख लक्षण राज्य स्तरीय दलों का उदय और उनकी बढ़ती भूमिका है
- पारंपरिक कारकों पर आधारित
- पश्चिमी देशों में राजनैतिक दल सामाजिक आर्थिक और राजनैतिक कार्यक्रमों के आधार पर बनते हैं।
- व्यक्तित्व का महिमामंडन
- बहुधा दलों का संगठन एक श्रेष्ठ व्यक्ति के चारो ओर होता है जो दल तथा उनकी विचारधारा से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

दलों का संगठन

- एक श्रेष्ठ व्यक्ति के चारो ओर होता है जो दल तथा उनकी विचारधारा से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।
- एकदलीय व्यवस्था
- अनेक दल व्यवस्था के बावजूद भारत में एक लंबे समय तक कांग्रेस का शासन रहा । अतः श्रेष्ठ राजनीतिक विश्लेषक रजनी कोठारी ने भारत में एक दलीय व्यवस्था को एक दलीय शासन व्यवस्था अथवा कांग्रेस व्यवस्था कहा।
- बहुदलीय व्यवस्था
- देश का विशाल आकार, भारतीय समाज की विभिन्नता, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की ग्राह्यता, विलक्षण राजनैतिक प्रक्रियाओं तथा कई अन्य कारणों से कई प्रकार के राजनीतिक दलों का उदय हुआ है।

प्रश्न 4 वर्तमान में राजनीतिक दलों क समक्ष चुनौतियों की व्याख्या कीजिए।

उत्तरः

- दलों के अंदर आंतरिक लोकतंत्र के अभाव के कारण बहुत सारे नेता अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं।
- दलों में वंशवादी उत्तराधिकार का चलन बढ़ गया है। यह दल को सक्षम नेतृत्व प्राप्त करने से वंचित रखता है।
- दल चुनाव जितने के लिए धन एवं बल के प्रयोग में संलग्न है यह लोकतंत्र के विकास को रोकता है तथा दल के अंदर अच्छे नेताओं के महत्व को कम करता है।
- आजकल दलों की विचारधाराओं में मामूली -सा अंतर रह गया। फलतः जनता के लिए विकल्पों का चुनाव सीमित हो गया है।

प्रश्न 5 भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख विचाराधात्मक तत्त्वों की विवेचना कीजिए।

उत्तरः सामाजिक नीतियाँ एवं हिन्दुत्व

भाजपा की आधिकारिक विचारधारा “एकात्म मानववाद” है।

आर्थिक नीतियाँ

https://www.evidyarthi.in/

स्थापना के बाद से भाजपा की आर्थिक नीतियाँ बहुत सीमा तक बदलती रहीं है। इस दल के अन्दर विभिन्न प्रकार की आर्थिक विचार देखने को मिलते हैं। १९८० के दशक में, अपने पितृ दल (भारतीय जनसंघ) की तरह इस दल के आर्थिक सोच में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके अनुषांगिक संगठनों की आर्थिक सोच का प्रभाव था। भाजपा स्वदेशी तथा देशी उद्योगों को बचाने वाली व्यापार नीति की समर्थक थी। किन्तु भाजपा ने आन्तरिक उदारीकरण का समर्थन किया और राज्य द्वारा समर्थिक औद्योगीकरण का विरोध किया, जिसका कांग्रेस समर्थन करती थी।

सुरक्षा एवं आतंकवाद-विरोधी नीतियाँ

सुरक्षा एवं आतंकवाद के विरोध से सम्बन्धित भाजपा की नीतियाँ कांग्रेस की नीतियों से अधिक आक्रामक और राष्ट्रवादी हैं.

विदेश नीति

ऐतिहासिक रूप से भाजपा की विदेश नीति, जनसंघ की ही भांति, प्रचण्ड हिन्दू राष्ट्रवाद पर आधारित रही है जिसमें आर्थिक संरक्षणवाद का भी मिश्रण है।

प्रश्न 6 बहुजन समाज पार्टी के प्रमुख विचाराधारात्मक तत्त्वों की विवेचना कीजिए।

उत्तर: राजनैतिक दल (Political Party) लोगों का एक ऐसा संगठित गुट होता है जिसके सदस्य किसी साँझी विचारधारा में विश्वास रखते हैं या समान राजनैतिक दृष्टिकोण रखते हैं। यह दल चुनावों में उम्मीदवार उतारते हैं और उन्हें निर्वाचित करवा कर दल के कार्यक्रम लागू करवाने क प्रयास करते हैं। राजनैतिक दलों के सिद्धान्त या लक्ष्य (विज़न) प्राय: लिखित दस्तावेज़ के रूप में होता है।[1][2]

ब्रिटेन में 1918 का लेबर पार्टी नामक राजनीतिक दल का एक पोस्टर, जिसमें दल ने प्रथम विश्व युद्घ में विजय समीप लाने का श्रय लेते हुए वोट मांगे।

प्रश्न 7 'राजनीतिक दल लोकतंत्र के लिए आवश्यक है।' कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: राजनैतिक दल (Political Party) लोगों का एक ऐसा संगठित गुट होता है जिसके सदस्य किसी साँझी विचारधारा]में विश्वास रखते हैं या समान राजनैतिक दृष्टिकोण रखते हैं। यह दल चुनावों में उम्मीदवार उतारते हैं और उन्हें निर्वाचित करवा कर दल के कार्यक्रम लागू करवाने क प्रयास करते हैं। राजनैतिक दलों के सिद्धान्त या लक्ष्य (विज़न) प्राय: लिखित दस्तावेज़ के रूप में होता है।